परम उद्धार

यीशु मसीह का पुनरागमन

अमेज़िंग फ़ैक्ट्स अध्ययन संदर्शिका 8

यह कोई परी कथा नहीं है! दुनिया को आज संक्रमित करने वाली सभी चोट, भूख, अकेलापन, अपराध, और उथल-पुथल से एक दिन आप मुक्त हो सकते हैं। क्या यह अद्भुत नहीं है? लेकिन यह कोई करिश्माई विश्व नेता द्वारा नहीं होने वाला है जो आपको स्वतंत्रता देने के लिए आ रहा है - नहीं, आपका उद्धारकर्ता इससे बहुत बेहतर है! यीशु जल्द ही आ रहा है, लेकिन उसके वापस आने के बारे में बहुत सी गलत धारणाएँ हैं कि वह किस प्रकार आएगा। इसे समझने के लिए कुछ मिनट लें कि वास्तव में बाइबल दूसरे आगमन के बारे में क्या कहती है कि आप पिछे न छुट जाएं।

1 क्या हम सकारात्मक हो सकते हैं यीशु दूसरी बार वापस आएगा?

"मसीह ... दूसरी बार दिखाई देगा" (इब्रानियों 9:28)। "यदि मैं जाकर तुम्हारे ले जगह तैयार करूँ, तो फिर आकर तुम्हें अपने यहाँ ले जाऊँगा कि जहाँ मैं रहूँ वहाँ तुम भी रहो" (यूहन्ना 14:3)।

उत्तर: हाँ! मत्ती 26:64 में, यीशु ने प्रमाणित किया कि वह फिर से इस धरती पर वापस आएगा। क्योंकि पवित्र शास्त्र में बात लोप नहीं हो सकती (यूहन्ना 10:35), यह सबूत सकारात्मक है। यह मसीह की अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। इसके अलावा, यीशु ने अपने प्रथम आगमन की भविष्यवाणियों को पूरा किया - इसलिए हम पूरी तरह से निश्चित हो सकते हैं कि वह अपने दूसरे आगमन से संबंधित भविष्यवाणियों को भी पूरा करेगा!

2 यीशु किस तरह से दूसरी बार वापस आएगा?

"यह कहकर वह उन के देखते-देखते ऊपर उठा लिया गया, और बादल ने उसे उनकी आखों से छिपा लिया। उसके जाते समय जब वे आकाश की ओर ताक रहे थे, तो देखो, दो पुरुष श्वेत वस्त्र पहिने हुए उन के पास आ खड़े हए, और उनसे कहा, 'हे गलीली पुरुषो, तुम क्यों खड़े आकाश की ओर देख रहे हो? यही यीशु, जो तुम्हारे पास से स्वर्ग पर उठा लिया गया है, जिस रीति से तुम ने उसे स्वर्ग को जाते देखा है उसी रीति से वह फिर आएगा'" (प्रेरितों के काम 1:9-11)।

उत्तर: धर्मशास्त्र वादा करता है कि यीशु इस धरती पर उसी तरह लौट आएगा जिस तरह से वह एक दृश्यमान, शाब्दिक, शारीरिक, व्यक्तिगत तरीके से उठाया गया था। मत्ती 24:30 कहता है, "तब मनुष्य के पुत्र का चिन्ह आकाश में दिखाई देगा, और तब पृथ्वी के सब कुलों के लोग छाती पीटेंगे; और मनुष्य के पुत्र को बड़ी सामर्थ और ऐश्वर्य के साथ आकाश के बादलों पर आते देखेंगे।" हड्डी और माँस के साथ एक व्यक्ति के रूप में, वह सचमुच बादलों में आएगा (लूका 24:36-43, 50, 51)। उसका आना दिखाई देगा; इन तथ्यों पर पवित्रशास्त्र स्पष्टहै!

3 क्या मसीह का दूसरा आगमन हर किसी को दिखेगा या केवल एक चुनिंदा समूह के लिए होगा?

"देखो, वह बादलों के साथ आनेवाला है, और हर एक आँख उसे देखेगी" (प्रकाशितवाक्य 1:7)। "क्योंकि जैसे बिजली पूर्व से निकलकर पश्चिम तक चमकती है, वैसे ही मनुष्य के पुत्र का भी आना होगा" (मत्ती 24:27)। "क्योंकि प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगा; उस समय ललकार और प्रधान दूत का शब्द सुनाई देगा, और परमेश्वर की तुरही फूँकी जाएगी; और जो मसीह में मरे हैं, वे पहले जी उठेंगे" (1 थिस्सलुनीकियों 4:16)।

उत्तर: जब यीशु लौटेगा तब इस जगत में रहने वाला हर पुरुष, महिला और बच्चे उसे उसके दूसरे आगमन पर देखेंगे। उसके रंग-रूप की चौंकानें वाली चमक क्षितिज से क्षितिज तक फैल जाएगी, और वायुमंडल को बिजली की तरह शानदार महिमा से भर दिया जाएगा। कोई भी इससे छिपने में सक्षम नहीं होगा। यह एक जोरदार, उतेजक घटना होगी जिसमें मृत भी जिलाए जाएँगे।

ध्यान दें: प्रत्येक व्यक्ति को पता चलेगा कि दूसरा आगमन हो रहा है! कुछ लोग 1 थिस्सलुनिकियों 4:16 का प्रयोग एक "गुप्त हर्ष" का सुझाव देने के लिए करते हैं, जिसमें बचाये गए लोग चुपचाप धरती से गायब हो जाएँगे, लेकिन यह वास्तव में बाइबल के सबसे अजीब पदों में से एक है: परमेश्वर की पुकार, तुरही की आवाज़ और मरे हुए जिलाए गए! दूसरा आगमन एक शाँत घटना नहीं है, न ही यह केवल दिल में आने वाली एक आत्मिक घटना है। यह किसी व्यक्ति की मौत पर नहीं होता है, न ही यह प्रतीकात्मक है। ये सभी सिद्धांत मानव आविष्कार हैं, लेकिन बाइबल स्पष्ट रूप से बताती है कि दूसरा आगमन, बादलों में मसीह की एक शाब्दिक तथा, दुनिया भर में, दिखनेवाली व्यक्तिगत उपस्थिति होगी।

4 यीशु के दूसरे आगमन पर उनके साथ कौन आएगा, और क्यों?

"जब मनुष्य का पुत्र अपनी महिमा में आता है और उसके साथ सभी पवित्र स्वर्गदूत आएँगे, तो वह अपनी महिमा के सिंहासन पर विराजमान होगा" (मत्ती 25:31)।

उत्तर: स्वर्ग के सभी स्वर्गदूत यीशु के साथ उनके दूसरे आगमन पर आएँगे। जैसे ही उज्ज्वल बादल धरती के निकट आएगा, यीशु अपने स्वर्गदूतों को भेज देगा, और वे स्वर्ग लौटने की तैयारी में सभी धर्मी लोगों को इकट्ठा करेंगे (मत्ती 24:31)।

5 इस धरती पर यीशु के दूसरे आगमन

आगमन का क्या उद्देश्य है?

"देख, मैं शीघ्र आनेवाला हूँ; और हर एक के काम के अनुसार बदला देने के लिए प्रतिफल मेरे पास है" (प्रकाशितवाक्य 22:12)। "तो फिर आकर तुम्हें अपने यहाँ ले जाऊँगा कि जहाँ मैं रहूँ वहाँ तुम भी रहो" (यूहन्ना 14:3)। "और वह यीशु को भेजे ... जब तक कि वह सब बातों का सुधार न कर ले" (प्रेरितों के काम 3:20, 21)।

उत्तर: यीशु अपने लोगों को बचाने के लिए इस धरती पर वापस आ रहा है, जैसा कि उसने वादा किया था, और उन्हें सुंदर घर ले जाने के लिए जो उसने उनके लिए तैयार किया है।

6 जब यीशु दूसरी बार आएगा तो धर्मी लोगों के साथ क्या होगा?

"क्योंकि प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगा ... और जो मसीह में मरे हैं, वे पहले जी उठेंगे। तब हम जो जीवित और बचे रहेंगे, उनके साथ बादलों पर उठा लिये जाएँगे कि हवा में पर्भु से मिलें; और इस रीति से हम सदा प्रभु के साथ रहेंगे" (1 थिस्सलुनीकियों 4:16, 17)। "परन्तु सब बदल जाएँगे ... और मुर्दे अविनाशी दशा में उठाए जाएँगे। क्योंकि ... यह मरनहार देह अमरता को पहिन ले" (1 कुरिन्थियों 15:51-53)। "यीशु मसीह के वहाँ से आने की बाट जोह रहे हैं ... हमारी दीन-हीन देह का रूप बदलकर, अपनी महीमा की देह के अनुकूल बना देगा" (फिलिप्पियों 3:20, 21)।

उत्तर: जिन्होंने अपने जीवन के दौरान मसीह को स्वीकार किया, लेकिन उनकी मृत्यु हो गई, उन्हें कब्रों से उठाया जाएगा और परिपूर्ण और अमर शरीर दिए जाएँगे, और परमेश्वर से मिलने के लिए बादलों में उठा लिया जाएँगा। बचाए गए जीवितों को भी नई देह दी जाएगी और हवा में परमेश्वर से मिलने के लिए उठाया जाएगा। तब यीशु सभी बचाये गए लोगों को स्वर्ग में ले जायेगा।

ध्यान दे: कि यीशु अपने दूसरे आगमन पर पृथ्वी को नहीं छूएगा। संत उससे "हवा में" मिलते हैं। इसलिए परमेश्वर के लोग किसी भी ऐसे समाचार से मूर्ख नहीं बनते जो कहता है कि मसीह पृथ्वी पर है, उदाहरण के लिए, लंदन, न्यूयॉर्क, मॉस्को, या पृथ्वी पर कहीं और। झूठे मसीह पृथ्वी पर दिखाई देंगे और चमत्कार करेंगे (मत्ती 24:23-27), लेकिन यीशु अपने दूसरे आगमन आने पर पृथ्वी के ऊपर बादलों में रहेगा।

7 जब यीशु फिर से धरती पर आएगा तो दुष्ट लोगों के साथ क्या होगा?

"और अपने फूँक के झोंके से दुष्ट को मिटा डालेगा" (यशायाह 11:4)। "उस समय यहोवा के मारे हुओं के शव पृथ्वी के एक छेर से दूसरे छेर तक पड़े रहेंगे" (यिर्मयाह 25:33)।

उत्तर: जो लोग यीशु के आने के समय विरोध में पाप से चिपके रहेंगे वे उसकी उज्ज्वल महिमा से नाश हो जाएँगे।

8 मसीह का दूसरा आगमन पृथ्वी को कैसे प्रभावित करेगा?

"और एक ऐसा बड़ा भूकंप आया कि जब से मनुष्य की उत्पत्ति पृथ्वी पर हुई, तब से ऐसा बड़ा भूकम्प कभी न आया था। ... और हर एक टापू अपनी जगह से टल गया, और पहाड़ों का पता न चला" (प्रकाशितवाक्य 16:18, 20)। "फिर मैं क्या देखता हूँ कि यहोवा के प्रताप और स भड़के हुए प्रकोप के कारण उपजाऊ देश जंगल, और उसके सारे नगर खण्डहर हो गए" (यिर्मयाह 4:26)। "यहोवा पृथ्वी को निर्जन और सनसान करने को है। ... पृथ्वी शून्य और उजाड़ हो जाएगी" (यशायाह 24:1, 3)।

उत्तर: परमेश्वर के आने पर पृथ्वी एक भूकंप की चपेट में आ जाएगी। यह भूकंप इतना विनाशकारी होगा कि यह दुनिया को पूर्णतया विनाश की स्थिति में छोड़ देगा।

9 क्या बाइबल मसीह के दूसरे आगमन की निकटता के बारे में विस्तृत जानकारी देती है?

उत्तर: हाँ! यीशु ने खुद कहा, "इस रीति से जब तुम इन सब बातों को देखो, तो जान लेना कि वह निकट है, वरन् द्वार ही पर है!" (मत्ती 24:33)। परमेश्वर ने अपने दूसरे आगमन के रास्ते में अपने धरती पर आने के सभी संकेतों को स्थापित किया है। नीचे देखें ...

क. यरूशलेम का विनाश

भविष्यवाणी: "यहाँ पत्थर पर पत्थर भी न छूटेगा जो ढाया न जाएगा। ... तब जो यहूदिया में हों वे पहाड़ों पर भाग जाएँ" (मत्ती 24:2, 16)।

पूर्ति: रोमी यौद्धा तितुस द्वारा 70 ई. में यरूशलेम को नष्ट कर दिया गया था।

ख. महान उत्पीड़न, विपत्ति

भविष्यवाणी: "क्योंकि उस समय ऐसा भारी क्लेश होगा, जैसा जगत के आरम्भ से न अब तक हुआ और न कभी होगा" (मत्ती 24:21)।

पूर्ति: यह भविष्यवाणी मुख्य रूप से अंधकार के युग के दौरान हुई विपति को संकेत करता है और

पक्षत्यागी मसीही चर्च द्वारा प्रेरित थी। यह 1,000 से अधिक वर्षों तक चला। झूठे चर्च द्वारा 50 लाख से अधिक मसीही मारे गाए थे, जिसने "मानवता के बीच अस्तित्व में रहे किसी भी संस्थान से अधिक निर्दोषों का लहू बहाया है।" डब्ल्. ई. एच. लेकी, *हिस्ट्री ऑफ़ द राईज़ एंड इनफ्लूवेंस ऑफ़ द स्पिरिट ऑफ़ रैशनलिज़म इन युरोप, (पुन: मुद्रित यॉर्क: ब्राज़िलर, 1955) वॉल्यूम। 2, पीपी 40-45।*

ग. सूर्य का अन्धियारे में बदलना

भविष्यवाणी: "उन दिनों क्लेश के तुरन्त बाद सूर्य अन्धियारा हो जाएगा" (**मत्ती 24:29**)।

पूर्ति: यह 19 मई, 1780 को अलौकिक अंधेरे के एक दिन से पूरा हुआ था। यह ग्रहण नहीं था। एक प्रत्यक्षदर्शी ने वर्णन किया, "19 मई, 1780, एक उल्लेखनीय अंधेरा दिन था। मोमबत्तियों से कई घरों में रोशनी दी गई थी; पक्षी चुप थे और गायब हो गए, और मुर्गियों को घरों के में बंद किया गया। ... एक बहुत ही सामान्य राय प्रबल थी कि निर्णय का दिन आ गया था।" *कनेक्टिकट हिस्टोरिक कलेकशन्स, यूहन्ना वार्नर बार्बर द्वारा संकलित (द्वितीय संस्करण न्यू हेवन: दुरी और पेक और जेडब्ल्यू बाबर, 1836) पी। 403.*

घ. चंद्रमा रक्त में बदल गया

भविष्यवाणी: "यहोवा के उस बड़े और भयानक दिन के आने ले पहले सूर्य अन्धियारा होगा और चन्द्रमा रक्त सा हो जाएगा" (**योएल 2:31**)।

पूर्ति: चंद्रमा "अंधेरे दिन" की रात को रक्त के रूप में लाल हो गया, "19 मई, 1780. एक समीक्षक ने स्टोन के हिस्ट्री ऑफ़ मैसाचुसेट्स में कहा, "चंद्रमा जो पूर्ण था, रक्त की तरह लग रहा था।"

ड़. स्वर्ग से तारे गिरे

भविष्यवाणी: "तारे आकाश से गिर पड़ेंगे" (**मत्ती 24:29**)।

पूर्ति: 13 नवंबर, 1833 की रात को एक आश्चर्यजनक रूप से तारे बरसने लगे। यह इतना उज्ज्वल था कि अखबार को अंधेरे सड़क पर पढ़ा जा सकता था। लोगों ने सोचा कि दुनिया का अंत आ गया है। इसके बारे जानिए। यह सबसे अद्भुत है और मसीह के आने का संकेत है। एक लेखक ने कहा, "लगभग चार घंटों तक आकाश सचमुच प्रज्वलित हो रहा था।" *पीटर ए मिलमैन, "द फॉलिंग ऑफ द स्टा," टेर्सलीस्कोप, 7 (मई-जून, 1940) 57।*

च. यीशु बादलों में आता है

भविष्यवाणी: "तब मनुष्य के पुत्र का चिन्ह स्वर्ग में दिखाई देगा, और तब पृथ्वी के सब कुलों के लोग छाती पीटेंगे; और मनुष्य के पुत्र को बड़ी सामर्थ्य और ऐश्वर्य के साथ आकाश के बादलों पर आते देखेंगे" (**मत्ती 24:30**)।

पूर्ति: यह अगली महान घटना है। क्या आप तैयार हैं?

10 हम कैसे जान सकते हैं कि हम पृथ्वी के इतिहास के आखिरी दिनों में पहुँच गए हैं? क्या बाइबल में आखिरी पीढ़ी के लोगों और जगत का वर्णन करती है?

उत्तर: हाँ! अंतिम दिनों के निम्नलिखित संकेतों को देखें। आप चकित होंगे। और ये केवल कुछ संकेत हैं जो दिखाते हैं कि हम पृथ्वी के इतिहास के समापन दिनों में हैं।

क. युद्ध और प्रतिबद्धता

भविष्यवाणी: "जब तुम लड़ाईयों और बलवों की चर्चा सुनो तो घबर न जाना, क्योंकि इनका पहले होना अवश्य है; परन्तु उस समय तुरन्त अन्त न होगा" (**लुका 21:9**)।

पूर्ति: युद्ध और आतंकवादी हमले दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित कर रहे हैं। केवल यीशु ही पीड़ा और विनाश का अंत करेगा।

ख. अशांति, भय, और महा परिवर्तन:

भविष्यवाणी: "और पृथ्वी पर देश-देश के लोगों को संकट होगा, ... भय के कारण और संसार पर आनेवाली घटनाओं की बाट देखते-देखते लोगों के जी में जी न रहेगा" (**लूका 21:25, 26**)।

पूर्ति: यह आज दुनिया की एक बहुत ही सटीक तस्वीर है - और एक कारण है: हम पृथ्वी के इतिहास के आखिरी दिनों के लोग हैं। आज दुनिया में मौजूद तनाव वाले वातावरण से हमें आश्चर्यचकित नहीं होना चाहिए। मसीह ने भविष्यवाणी की थी। यह हमें विश्वास दिलाता है कि उसका आने का दिन निकट है।

ग. ज्ञान में वृद्धि:

भविष्यवाणी: "अंत के समय तक ... ज्ञान बढ़ भी जाएगा" (**दानिएल 12:4**)।

पूर्ति: सूचना के युग का आगमन इस भविष्यवाणी को स्पष्ट करती है। यहाँ तक कि सबसे संदिग्ध मन को यह स्वीकार करना होगा कि यह संकेत पूरा हो गया है। ज्ञान विज्ञान-चिकित्सा, प्रौद्योगिकी, आदि सभी क्षेत्रों में ज्ञान का विस्फोट हो रहा है।

घ. ठट्ठा करने वाले और धर्म पर संदेह करने वाले:

भविष्यवाणी: "अंतिम दिनों में हंसी ठट्ठा करने वाले आएँगे" (**2 पतरस 3:3**)। "लोग खरा उपदेश न सह सकेंगे। ...और अपने कान फेर कर कथा कहानियों पर लगाएँगे" (**2 तीमुथियुस 4:3, 4**)।

पूर्ति: आज इस भविष्यवाणी की पूर्ति देखना मुश्किल नहीं है। यहाँ तक कि धार्मिक अगुये भी सृष्टि, बाढ़, मसीह की दिव्यता, दूसरी आगमन और कई अन्य बाइबल की सादी सच्चाइयों और शिक्षाओं को नकार रहे हैं। सार्वजनिक शिक्षक हमारे युवाओं को बाइबल के लेखों में बिडंबना करने और परमेश्वर के वचनों के सादे तथ्यों के लिए विकास सिद्धांत और अन्य झूठी शिक्षाओं में बदलाव को सिखाते हैं।

ङ. नैतिकता का पतन, आत्मिकता का कम होना:

भविष्यवाणी: "अंतिम दिनों में ... मनुष्य स्वर्थी ... दयारहित ... असंयमी होंगे ... वे भक्ति का भेष तो धरेंगे, पर उसकी शक्ति को न मानेंगे" (**2 तीमुथियुस 3:1-3, 5**)।

पूर्ति: अमेरिका आत्मिक संकट के बीच में है। जीवन के सभी क्षेत्रों के लोग ऐसा कह रहे हैं। हर दो शादियों में से एक में तलाक हो रहा है। बाइबल, आत्मिकता में वर्तमान पीढ़ी की कम दिलचस्पी, परमेश्वर के वचन की एक पूर्ति है। एक वास्तविक सदमे के लिए, देखें कि **2 तीमुथियुस 3:1-5** में सूचीबद्ध अंतिम दिन के पापों में से कितने आज के दिन के समाचार में वर्णित हैं। परमेश्वर के आगमन के अलावा, कुछ भी, इस बुराई की जड़ को रोक नहीं सकता, जिसने दुनिया को घेर रखा है।

च. मनोरंजन का जुनून:

भविष्यवाणी: "अंतिम दिनों में ... मनुष्य परमेश्वर के नहीं वरन् सुखविलास ही के चाहनेवाले होंगे" (**2 तीमुथियुस 3:1, 2, 4**)।

पूर्ति: संसार ऐयाशी के लिए पागल हो गया है। केवल कुछ ही लोग नियमित रूप से चर्च में जाते हैं, लेकिन हजारों लोग क्रीड़ा स्थलों को और मनोरंजन के अन्य स्थानों को भरते हैं। अमरीकी, खुशी के लिए हर साल अरबों का खर्च करते हैं। जो परमेश्वर के काम के लिए किए जा रहे खर्च उसकी तुलना में मूँगफली के समान हैं। ख़ुशी से पागल अमरीकीयों ने **2 तीमुथियुस 3:4** की सीधी पूर्ति में सांसारिक संतुष्टि की तलाश में टीवी के सामने बैठकर अरबों घंटे बर्बाद कर दिए।

छ. बढ़ती अवव्यवस्था, खूनी अपराध और हिंसा:

भविष्यवाणी: "अधर्म बढ़" जाएगा (**मत्ती 24:12**)। "दुष्ट और बहकानेवाले ...बिगड़ते चले जाएँगे" (**2 तीमुथियुस 3:13**)। "क्योंकि देश अन्याय की हत्या से, और नगर उपद्रव से भरा हुआ है" (**यहेजकेल 7:23**)।

पूर्ति: यह स्पष्ट है कि यह संकेत पूरा हो गया है। चौंकाने वाली तेज़ी के साथ अव्यवस्था बड़ रही है। कई लोग अपने घरों से बाहर निकलते वक्त अपने प्राणों के लिए डरते हैं। आज बहुत से लोग सभ्यता के अस्तित्व के बारे में चिंतित हैं क्योंकि अपराध और आतंक निरंतर बढ़ रहे हैं।

ज. प्राकृतिक आपदा और उथल-पुथल

भविष्यवाणी: "और बड़े-बड़े भूकम्प होंगे, और जगह-जगह अकाल और महामारियाँ पड़ेंगीं ... पृथ्वी पर देश-देश के लोगों को संकट होगा" (**लूका 21:11, 25**)।

पूर्ति: भूकंप, तूफान, और बाढ़ एक अभूतपूर्व दर से बढ़ रहे हैं। भुखमरी, बीमारी, और पानी और स्वास्थ्य देखभाल की कमी के कारण हजारों लोग मर जाते हैं-सभी संकेत हैं कि हम पृथ्वी के आखिरी समय में रहे हैं।

झ. अंतिम दिनों में जगत के लिए एक विशेष संदेश

भविष्यवाणी: "राज्य का यह सुसमाचार सारे जगत में प्रचार किया जाएगा कि सब जातियों पर गवाही हो, तब अन्त आ जाएगा" (**मत्ती 24:14**)।

पूर्ति: मसीह के दूसरे आगमन की महान और अंतिम चेतावनी, अब लगभग हर विश्व भाषा में प्रस्तुत की जा रही है। यीशु के दूसरे आगमन से पहले, दुनिया के हर व्यक्ति को जल्द ही उसकी वापसी की चेतावनी दी जाएगी।

न .अध्यात्यवाद की ओर वापसी

भविष्यवाणी: "आने-वाले समय में कितने लोग भरमानेवाली आत्माओं, और दुष्टात्माओं की शिक्षाओं पर मन लगाकर विश्वास से बहक जाएँगे" (**1 तीमुथियुस 4:1**)। "ये दुष्टात्माएँ हैं" (**प्रकाशितवाक्य 16:14**)।

पूर्ति: आज के लोग, राष्ट्रों के प्रमुखों की एक बड़ी संख्या सहित, मन - सम्बन्धी, माध्यमिक, और अध्यात्यवादों से सलाह लेते हैं। आत्मावाद ने मसीही चर्चों पर भी हमला किया है, जो बाइबल की शिक्षा के विपरित आत्मा की अमरता को गलत तरह से पेश करते है। बाइबल सिखाती है कि मृत मर चुके हैं। (इस विषय पर अधिक जानकारी के लिए अध्ययन संदर्शिका 10 देखें।)

ट. पूंजी/ श्रम समस्या

भविष्यवाणी: "जिन मजदूरों ने तुम्हारे खेत काटे, उनकी वह मजदूरी जो तुम ने धोखा देकर रख ली है चिल्ला रही है, और लवनेवालों की दोहाई सेनाओं के प्रभु के कानों तक पहुँच गई है। ...तुम भी धीरज धरो ... क्योंकि प्रभु का आगमन निकट है" (**याकूब 5:4, 8**)।

पूर्ति: पूंज़ी और श्रम के बीच समस्या अंतिम दिनों के लिए भविष्यवाणी की गयी है। क्या आपको इस बात का संदेह है कि यह बात पूरी हो गयी है?

11 परमेश्वर का दूसरा आगमन कितना करीब है?

"अंजीर के पेड़ से यह दृष्टांन्त सीखो: जब उसकी डाली कोमल हो जाती और पत्ते निकलने लगते हैं, तो तुम जान लेते हो कि ग्रीष्म काल निकट है। इसी रीति से जब तुम इन सब बातों को देखो, तो जान लो कि वह निकट है, वरन् द्वार ही पर है। मैं तुम से सच कहता हूँ कि जब तक ये सब बातें पूरी न हो लें, तब तक इस पीढ़ी का अन्त नहीं होगा" (मत्ती 24:32-34)।

उत्तर: बाइबल इस तर्क पर विस्तृत और स्पष्ट है। लगभग सभी संकेत पूरे हो गए हैं। हम मसीह की वापसी के दिन और घंटे को नहीं जान सकते (**मत्ती 24:36**), लेकिन हम जान सकते हैं कि उसका आना निकट है। परमेश्वर ने अब चीजों को बहुत जल्दी खत्म करने का वादा किया है (**रोमियों 9:28**)। मसीह जल्द ही अपने लोगों के लिए इस धरती पर वापस आ रहा है। क्या आप तैयार हैं?

12 मसीह के दूसरे आगमन के विषय में शैतान कई झूठ बोल रहा है और झूठे अचम्भों और चमत्कारों से लाखों लोगों को धोखा देगा। आप कैसे सुनिश्चित हो सकते हैं कि आपको धोखा नहीं दिया जाएगा?

"वे चिन्ह दिखाने वाली दुष्ट आत्माएं हैं, जो सारे संसार के राजाओं के पास से निकलकर इसलिए जाती हैं ... लड़ाई के लिए इकट्ठा करें" (प्रकाशितवाक्य 16:14)। "झूठे मसीही और झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे, और बड़े चिन्ह, और अद्भुत काम दिखाएँगे कि यदि हो सके तो चुने हुओं को भी भरमा दें" (मत्ती 24:24)। "व्यवस्था और चितौनी ही की चर्चा किया करो! यदि वे लोग इन वचनों के अनुसार न बोलें तो निश्चय उनके लिये पौ न फटेगी" (यशायाह 8:20)।

सभा कक्ष में यीशु की तरह प्रतीत होने वाली शैतान का अवतरण करने वाली दुष्टातमाओं में से एक होती है।

उत्तर: शैतान ने दूसरे आगमन के बारे में काई झूठी शिक्षाएं खोजी हैं और विश्वास दिलाकर धोखा दे रहा है कि मसीह पहले ही आ चुका है या वह इस रीति से आएगा न कि बाइबल की शिक्षाओं के अनुरूप। लेकिन मसीह ने हमें शैतान की रणनीति के बारे में चेतावनी दी है, "सावधान रहो! कोई तुम्हें न भरमाने पाए" (**मत्ती 24:4**)। उसने शैतान के झूठ का पर्दाफाश किया है, इसलिए हमें आगाह किया जा सकता है, और वह हमें याद दिलाता है, "देखो, मैं ने पहले से तुम से यह सब कुछ कह दिया है" (**मत्ती 24:25**)। उदाहरण के लिए, यीशु ने विशेष रूप से कहा कि वह रेगिस्तान में नहीं दिखाई देगा या एक प्रेत आत्मा सभा (**पद 26**) में नहीं आएगा। धोखा खाने का कोई कारण नहीं है अगर हम सीखें कि परमेश्वर मसीह के दूसरे आगमन के बारे में क्या सिखाता है। जो लोग जानते हैं कि दूसरे आगमन के बारे में बाइबल क्या कहती है उन्हें शैतान द्वारा भटकाया नहीं जा सकता। अन्य सभी भरमाए जाएँगे।

13 आप यह कैसे सुनिश्चित करेंगे कि आप यीशु के आने के समय पर तैयार रहेंगे?

"जो कोई मेरे पास आएगा उसे मैं कभी न निकालूँगा" (यूहन्ना 6:37)। "परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, इसने उन्हें परमेश्वर की सन्तान होने का अधिकार दिया" (यूहन्ना 1:12)। "मैं अपनी व्यवस्था को उनके मनों में डालूँगा, और उसे उनके हृदयों पर लिखूँगा" (इब्रानियों 8:10)। "परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह द्वारा हमें जयवन्त करता है" (1 कुरिन्थियों 15:57)।

उत्तर: यीशु ने कहा, "देख, मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूँ; यदि कोई मेरा शब्द सुनकर द्वार खोलेगा, तो मैं उके पास भीतर आकर उके साथ भोजन करूँगा और वह मेरे साथ" (प्रकाशितवाक्य 3:20)। पवित्र आत्मा के माध्यम से, यीशु दस्तक देता है और आपके दिल में आने के लिए कहता है ताकि वह आपके जीवन को बदल सके। यदि आप अपना जीवन उसको दे देते हैं, तो वह आपके सभी पापों को मिटा देगा (रोमियों 3:25) और आपको ईश्वरीय जीवन जीने की शक्ति देगा (फिलिप्पियों 2:13)। एक मुफ्त उपहार के रूप में, वह आपको अपना पवित्र चरित्र प्रदान करता है ताकि आप पवित्र परमेश्वर के सामने बिना भय खड़े हो सकें। उसकी इच्छा पूरी करना एक खुशी बन जाती है। यह इतना आसान है कि कई लोग इसकी वास्तविकता पर संदेह करते हैं, लेकिन यह सच है। आपका काम केवल मसीह को अपना जीवन देना और उसे आपके भीतर रहने देना है। उनका काम आपके भीतर शक्तिशाली चमत्कार का काम करना है जो आपके जीवन को बदलता है और आपको अपने दूसरे आगमन के लिए तैयार करता है। यह एक मुफ्त उपहार है। आपको केवल इसे स्वीकार करने की आवश्यकता है।

14 मसीह हमें किस खतरे के विषय चेतावनी देता है?

"तैयार रहो, क्योंकि जिस घड़ी के विषय में तुम सोचते भी नहीं हो, उसी घड़ी मनुष्य का पुत्र आ जाएगा" (मत्ती 24:44)। "इसलिए सावधान रहो, ऐसा न हो कि तुम्हारे मन खुमार, और मतवालेपन, और इस जीवन की चिन्ताओं से सुस्त हो जाँए, और वह दिन तुम पर फन्दे के समान अचानक आ पड़े" (लूका 21:34)। "जैसे नूह के दिन थे, वैसा ही मनुष्य के पुत्र का आगमन भी होगा" (मत्ती 24:37)।

उत्तर: इस जीवन की परवाह में बहुत अधिक व्यस्त होने में बहुत बड़ा खतरा है या पाप के सुख में इतना खो जाना कि नूह के दिनों में बाढ़ जिस प्रकार जगत पर अचानक आयी थी, उसी तरह हमारे प्रभु का आना भी हो सकता है, और हम आश्चर्यचकित, तैयार न रहना, और खोए हुए हो सकते हैं। अफसोस की बात है, यह लाखों लोगों का अनुभव होगा। यीशु बहुत जल्द वापस आ रहा है। क्या आप तैयार हैं?

15 क्या आप तैयार रहना चाहते हैं जब यीशु अपने लोगों के लिए लौट आएगा?

आपका उत्तर: ☐

आपके प्रश्नों के उत्तर

1. क्या अब तक बड़ी विपत्ति का आना अभी बाकी नहीं है?

उत्तर: यह सच है कि यीशु के अपने लोगों को बचाने के लिए लौटने से ठीक पहले एक भयानक विपत्ति धरती को ढक लेगी। दानिय्येल ने इसे "संकट का समय" बताया, जैसा कभी नहीं था (**दानिय्येल 12:1**)। हालांकि, **मत्ती 24:21** अंधेरे युग के दौरान परमेश्वर के लोगों के भयानक उत्पीड़न को संदर्भित करता है, जब लाखों मारे गए थे।

2. चूंकि परमेश्वर "रात में एक चोर की भाँति" आएगा, "कैसे किसी को इसके बारे में कुछ भी पता चलेगा?

उत्तर: इसका जवाब **1 थिस्सलुनीकियों 5:2-4** में मिलता है: "क्योंकि आप ठीक जानते हो कि जैसा रात को चोर आता है, वैसा ही प्रभु का दिन आनेवाला है। जब लोग कहते होंगे, "कुशल है, और कुछ भय नहीं," तो उन पर एकाएक विनाश आ पड़ेगा, जिस प्रकार गर्भवती पर पीड़ा;और वे किसी रीति से न बचेंगे। पर हे भाईयो, तुम तो अन्धकार में नहीं हो कि वह दिन तुम पर चोर के समान आ पड़े" यहाँ ज़ोर परमेश्वर के दिन की अचानक आने पर है। यह केवल उन लोगों के लिए चोर के समान आता है जो तैयार नहीं हैं, उनके लिए नहीं जो तैयार हैं- जिन्हें "भाइयों" कहा गया है।

3. मसीह पृथ्वी पर अपना राज्य कब स्थापित करेगा?

उत्तर: प्रकाशितवाक्य 20 की 1,000 साल की अवधि के बाद। यह सहस्राब्दी दूसरे आगमन पर शुरू होती है, जब यीशु पृथ्वी से धर्मी लोगों को स्वर्ग में ले जाता है कि वे उसके साथ रहें "एक हजार साल" शासन करे (**प्रकाशितवाक्य 20:4**)। 1,000 वर्षों के बीत जाने के बाद, "पवित्र शहर", या "नया यरूशलेम" (**प्रकाशितवाक्य 21:2**) सभी संतों के साथ स्वर्ग से पृथ्वी पर आता है (**जकर्याह 14:1, 5**) और सभी युगों के मृत दुष्टों को उठाया जाता है (**प्रकाशितवाक्य 20:5**)। वे राज्य पर कबजा करने के लिए शहर को घेरते हैं (**प्रकाशितवाक्य 20:9**), लेकिन आग स्वर्ग से उतरती है और उन्हें भस्म कर देती है। यह आग पृथ्वी को शुद्ध करती है और पाप के सभी निशानों को जलाती है (**2 पतरस 3:10, मलाकी 4:3**)। तब परमेश्वर एक नई पृथ्वी बनाता है (**2 पतरस 3:13; यशायाह 65:17; प्रकाशितवाक्य 21:1**) और इसे धर्मियों को देता है, और "परमेश्वर आप उनके साथ रहेगा और उनका परमेश्वर होगा" (**प्रकाशितवाक्य 21:3**)। निपूर्ण, पवित्र, खुश प्राणियों को एक बार फिर से परमेश्वर की संपूर्ण स्वरूप में पुन:स्थापित किया जाएगा। अंत में एक निर्दोष दुनिया में घर होगा, जैसा कि मूल रूप से परमेश्वर ने योजना बनाई थी। (परमेश्वर के सुंदर नए साम्राज्य के बारे में अधिक जानकारी के लिए, अध्ययन संदर्शिका 4 देखें। 1,000 वर्षों के बारे में अधिक जानने के लिए, अध्ययन संदर्शिका देखें 12.)

4. मसीह के दूसरे आगमन के बारे में आज हम और अधिक प्रचार और शिक्षा क्यों नहीं सुनते?

उत्तर: इसके लिए शैतान जिम्मेदार है। वह अच्छी तरह से जानता है कि दूसरा आगमन मसीहियों की "धन्य आशा" है (**तीतुस 2:13**), जिसे यदि एक बार समझ लिया तो यह पुरुषों और महिलाओं के जीवन को बदलती है और उन्हें सुसमाचार फैलाने के लिए दूसरों में व्यक्तिगत, सक्रिय भूमिका निभाने में अगुवाई करता है। यह शैतान को परेशान करता है, इसलिए वह उन लोगों को प्रभावित करता है जिनके पास "भक्ति का भेष" है (**2 तीमुथियुस 3:5**), जो कहते हैं, "उसके आने की प्रतिज्ञा कहाँ गई? क्योंकि जब से बापदादे सो गए हैं, सब कुछ वैसा ही है" (**2 पतरस 3:3, 4**)। जो लोग मसीह के दूसरे आगमन से इन्कार करते हैं या उसे हल्के में लेते हैं वे बाइबल की भविष्यवाणी को पूरा कर रहे हैं–और शैतान की सेवा कर रहे हैं।

5. तो क्या यीशु एक गुप्त उत्साह की बात नहीं कर रहा था, जब यीशु ने लूका 17:36 में कहा, "एक ले लिया जाएगा और दूसरा छोड़ा जाएगा"?

उत्तर: नहीं। कोई संकेत नहीं है कि यह घटना गुप्त है। यीशु नूह की बाढ़ और सदोम के विनाश का वर्णन कर रहा था। (**लूका 17:26-37 देखें।**) उसने बताया कि कैसे परमेश्वर ने नूह और लूत को बचाया और दुष्टों को नष्ट कर दिया। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि बाढ़ और आग ने "सभी कुछ नष्ट कर दिया" (**पद 27, 29**)। निश्चित रूप से, प्रत्येक मामले में, कुछ को सुरक्षा के लिए ले जाया गया और बाकी नष्ट हो गए। फिर उसने आगे कहा, "मनुष्य के पुत्र के प्रगट होने के दिन भी ऐसा ही होगा" (**पद 30**)। उदाहरण के लिए, यीशु ने आगे कहा, "दो जन खेत में होंगे, एक ले लिया जाएगा और दूसरा छोड़ा जाएगा" (**पद 36**)। उनकी वापसी के बारे में कुछ भी रहस्य नहीं है। "हर आंख उसे देखेगी" (**प्रकाशितवाक्य 1:7**)। अपने दूसरे आगमन पर, मसीह सार्वजनिक रूप से और खुले तौर पर धर्मी लोगों को बादलों में ले जाएगा (**1 थिस्सलुनिकियों 4:16, 17**), जबकि उनकी पवित्र उपस्थिति दुष्टों को मार देगी (**यशायाह 11:4; 2 थिस्सलुनीकियों 2:8**)। यही कारण है कि **लूका 17:37** दुष्टों के शरीर की बात करता है और उनके आस-पास इकट्ठे हुए गिद्धों का उल्लेख करता है। (**प्रकाशितवाक्य 19:17, 18 भी देखें।**) दुष्टों को जो मसीह के आगमन के दिन पीछे छोड़ दिए जाएगें, वे मर जाएँगे। ("गुप्त उत्साह" सिद्धांत पर अधिक जानकारी के लिए, विषय पर हमारी पुस्तक के लिए हमसे संपर्क करें।)

अपनी टिप्पणियाँ या प्रश्न यहाँ लिखें

01

02

03

04

05

06

07

08

09

10

11

12

13

14

यह अध्ययन संदर्शिका 14 की शृंखला में से केवल एक है!

प्रत्येक पाठ आश्चर्यजनक तथ्यों से भरा हुआ है जो आपको और आपके परिवार को परिवर्तित कर देगा और आपको स्थायी उम्मीद दिलाएगा। एक भी ना चूकें।

अध्ययन संदर्शिका 01: क्या कुछ बचा है जिस पर आप भरोसा कर सकते हैं?
अध्ययन संदर्शिका 02: क्या परमेश्वर ने शैतान को बनाया?
अध्ययन संदर्शिका 03: निश्चित मौत से बचाया गया
अध्ययन संदर्शिका 04: अंतरिक्ष में एक विशाल शहर
अध्ययन संदर्शिका 05: एक सुखद विवाह की कुंजी
अध्ययन संदर्शिका 06: पत्थर में लिखा है!
अध्ययन संदर्शिका 07: इतिहास का खोया हुआ दिन
अध्ययन संदर्शिका 08: परम उद्धार (यीशु मसीह का पुनरागमन)
अध्ययन संदर्शिका 09: शुद्धता और शक्ति!
अध्ययन संदर्शिका 10: क्या मृतक वास्तव में मृत हैं?
अध्ययन संदर्शिका 11: क्या शैतान नर्क का प्रभारी है?
अध्ययन संदर्शिका 12: शांति के 1000 वर्ष
अध्ययन संदर्शिका 13: परमेश्वर की नि:शुल्क स्वास्थ्य योजना
अध्ययन संदर्शिका 14: क्या आज्ञाकारिता विधिवादिता है?

सारांश पत्र 8

इस सारांश पत्र को हल करने से पहले कृप्या इस पाठ को पढ़ ले। अध्ययन संदर्शिका में सभी उत्तर पाए जा सकते हैं। सही उत्तर पर सही चिन्ह करें। कोष्ठकों में दी गई संख्या (?) सही उत्तरों की संख्या दर्शाती हैं। (✓) फॉर्म भरने के लिए कृपया "**अडोबी रीडर**" का उपयोग करें।

1. उसके दूसरे आगमन पर (1)

- ☐ मसीह निजी तौर पर आ जाएगा और पृथ्वी के कुछ शहरों का दौरा करेगा।
- ☐ मसीह रेगिस्तान में दिखाई देगा।
- ☐ मसीह बादलों में रहेगा और धर्मियों को हवा में उससे मिलने के लिए उठा लेगा।

2. जब यीशु इस धरती पर लौट आएगा (1)

- ☐ केवल धर्मी ही उसे देखेंगे।
- ☐ हर आंख उसे देखेगी।
- ☐ लोग इसे तब तक नहीं जानेंगे जब तक कि टीवी पर इसकी घोषणा नहीं की जाती।

3. मसीह के दूसरे आगमन पर धर्मियों के साथ क्या होगा? (2)

- ☐ मरे हुए धर्मी जी उठेंगे, उन्हें अमरता दी जाएगी, वे बादलों में उठा लिए जाएँगे, और स्वर्ग में ले लिए जाएँगे।
- ☐ जीवित धर्मियों को अमरता दी जाएगी, बादलों में उठाया जाएगा, और स्वर्ग में ले जाया जाएगा।
- ☐ धर्मी यहाँ रहेंगे और दुष्टों को परिवर्तित करेंगे।
- ☐ धर्मी चुपके से उठा लिए जाएँगे।

4. बाइबल के संकेतों के आधार पर, मसीह का आगमन (1)

- ☐ बहुत जल्द होगा!
- ☐ कई सौ साल बाद होगा।
- ☐ पहले ही हो चुका है।

5. जो दुष्ट यीशु के आगमन के समय जीवित रहेंगे, वे ... (1)

- ☐ नरक में रखें जाएँगे, जहाँ वे हमेशा के लिए जलाये जाएँगे।
- ☐ उसके दूसरे आगमन पर मारे जाएंगे
- ☐ उन्हें बचाया जाएगा और एक दूसरा मौका दिया जाएगा।

6. नीचे दिए गए बयानों को सही चिन्हित करें जो मसीह के दूसरे आगमन के बारे में सच्चाई बताते हैं: (4)

- ☐ वह गुप्त रूप से आएगा।
- ☐ परिवर्तन का अनुभव ही उसका दूसरा आगमन है।
- ☐ वह बादलों में आएगा।
- ☐ मसीह हमारे मृत्यु पर हमारे लिए आता है।
- ☐ दुष्ट उसे नहीं देख पाएँगे।
- ☐ सभी स्वर्गदूत उसके साथ होंगे।
- ☐ वह वास्तव में पृथ्वी को छूएगा नहीं।
- ☐ उसके आने के दिन और घंटे को जानना संभव है।
- ☐ लाखों लोग आश्चर्यचकित होंगे और खो जाएँगे।

7. मसीह के दूसरे आने पर (1)

- ☐ पूरी दुनिया तैयार और प्रतीक्षा करती होगी।
- ☐ एक विनाशकारी, विश्वव्यापी भूकंप होगा।
- ☐ दुष्टों को परिवर्तित कर दिया जाएगा।

8. उन सभी बयानों को चिन्हित करें जो पृथ्वी के आखिरी दिनों के सही संकेत हैं: (7)

- ☐ दुनिया बेहतर होती जाएगी।
- ☐ पूंजी और श्रम के बीच संघर्ष।
- ☐ भूकंप, तूफान, इत्यादि कम होंगे।
- ☐ बाइबल की सच्चाई से दूर होना।
- ☐ ऐय्याशी का शौक।
- ☐ नैतिक पतन।
- ☐ अपराध दर में एक बड़ी गिरावट।
- ☐ बड़े अकाल।
- ☐ ज्ञान में वृद्धि।
- ☐ अशांति और उथल-पुथल।

अगले पृष्ठ पर जारी ▼

9. आकाश में कौन से संकेत मसीह की वापसी के संकेत हैं? (2)

- ☐ हैली का धूमकेतु।
- ☐ मई 1780 का अंधेरा दिन।
- ☐ नवंबर 1833 को तारों का गिरना।
- ☐ पथ्वी पर चंद्रमा का गिरना।

10. हम कैसे जानते हैं कि यीशु जल्द ही पृथ्वी पर वापस आ रहा है? (1)

- ☐ बाइबल अंतिम दिनों के संकेत और विस्तृत विवरण देती है।
- ☐ क्योंकि बहुत से लोग मानते हैं कि यीशु जल्द ही आ रहा है।
- ☐ कुछ ज्योतिष भविष्यवाणी करते हैं।

11. मसीह की वापसी के तरीके और समय के बारे में लाखों को धोखा दिया जाएगा क्योंकि (1)

- ☐ परमेश्वर नहीं चाहता कि सभी को बचाया जाए।
- ☐ वे पर्याप्त दान नहीं देते हैं।
- ☐ वे इस बात की सच्चाई को खोजने के लिए अपने बाइबल का अध्ययन नहीं करते हैं।

12. मैं मसीह की वापसी के लिए तैयार हो सकता हूँ अगर (1)

- ☐ यीशु मेरे भीतर रहता है।
- ☐ मैंने दैनिक समाचार पत्र प्रतिदिन पढ़ता हूँ।
- ☐ मैं वह करता हूँ जो मेरे धर्म प्रचारक ने सुझाव दिया है।

13. मैं यीशु के पुनरागमन में तैयार रहने की योजना बना रहा हूँ।

- ☐ हाँ।
- ☐ नहीं।

उपरोक्त सभी प्रश्नों का उत्तर देना सुनिश्चित करें!

AMAZING FACTS
India

नामांकित होने के लिए अपना नाम, ईमेल और फोन नंबर दर्ज करें। अपनी अगली मुफ्त अध्ययन मार्गदर्शिका प्राप्त करने के लिए "जमा करें" पर क्लिक करें।

आपका नाम :					
आपका ईमेल :					
फोन नंबर :					
आपका पता :					
शहर जिला :		*राज्य :*		*देश:*	India
पिन:		*आयु वर्ग :*		*लिंग :*	

जमा करें

अपनी संपर्क जानकारी अपडेट करें

www.AmazingFacts.org • www.AmazingFactsIndia.org • HindiBibleSchool@AFTV.in
© 2020 Amazing Facts India • All Rights Reserved • Printed in India • +91 9169164480